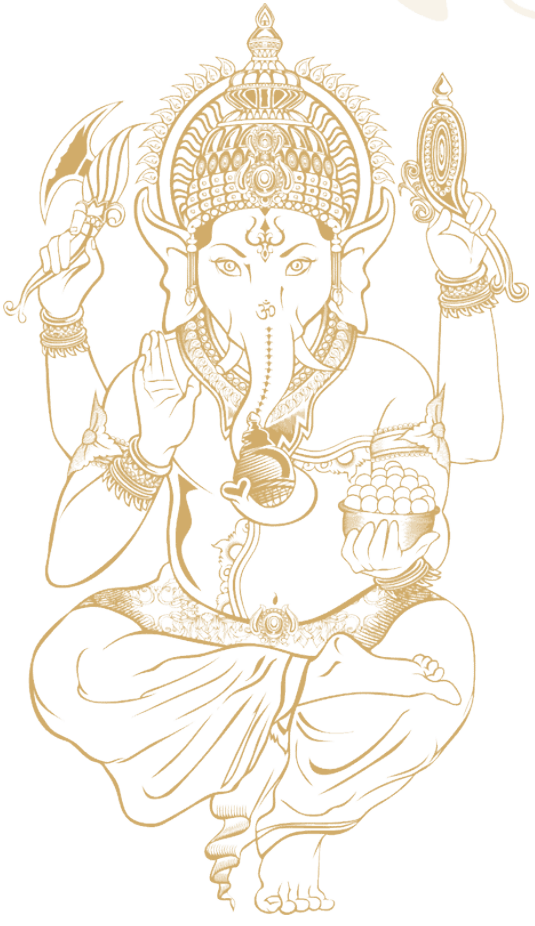

Prashant Bhardwaj

V

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121870505

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
04/04/1996	जन्म तिथि	12/09/1998
गुरुवार	दिन	शनिवार
घंटे 15:10:00	जन्म समय	18:40:00 घंटे
घटी 22:35:47	जन्म समय(घटी)	31:30:03 घटी
India	देश	India
Bharatpur	स्थान	Kota
27:13:00 उत्तर	अक्षांश	25:11:00 उत्तर
77:29:00 पूर्व	रेखांश	75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:04	स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:07:41	सूर्योदय	06:10:53
18:38:49	सूर्यास्त	18:33:42
23:48:22	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी
मंगल 5वर्ष 7मा 9दि

गुरु	14/11/2019
	14/11/2035
गुरु	01/01/2022
शनि	14/07/2024
बुध	20/10/2026
केतु	26/09/2027
शुक्र	27/05/2030
सूर्य	15/03/2031
चन्द्र	14/07/2032
मंगल	20/06/2033
राहु	14/11/2035

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
05:38:40	सिंह	लग्न	कुंभ	29:03:40
21:05:49	मीन	सूर्य	सिंह	25:44:02
25:58:54	कन्या	चंद्र	वृष	18:50:10
14:33:10	मीन	मंगल	कर्क	20:39:21
28:38:25	मीन	बुध	सिंह	14:01:36
22:27:06	धनु	गुरु व	कुंभ	29:41:41
06:55:22	वृष	शुक्र	सिंह	13:15:55
05:50:10	मीन	शनि व	मेष	09:08:01
23:19:45	कन्या	राहु व	सिंह	07:31:05
23:19:45	मीन	केतु व	कुंभ	07:31:05
10:17:27	मक	हर्ष व	मक	15:29:45
03:46:28	मक	नेप व	मक	05:46:21
09:04:04	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	11:39:57

विंशोत्तरी
चन्द्र 3वर्ष 4मा 14दि

राहु	26/01/2009
	26/01/2027
राहु	09/10/2011
गुरु	04/03/2014
शनि	08/01/2017
बुध	28/07/2019
केतु	15/08/2020
शुक्र	15/08/2023
सूर्य	09/07/2024
चन्द्र	08/01/2026
मंगल	26/01/2027

लग्न-चलित

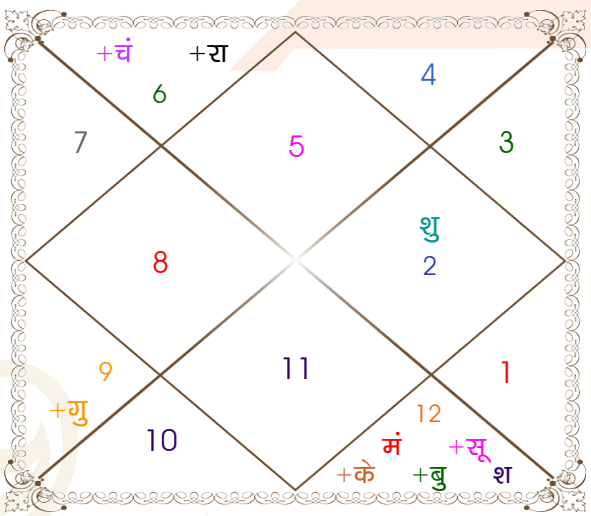

लग्न-चलित

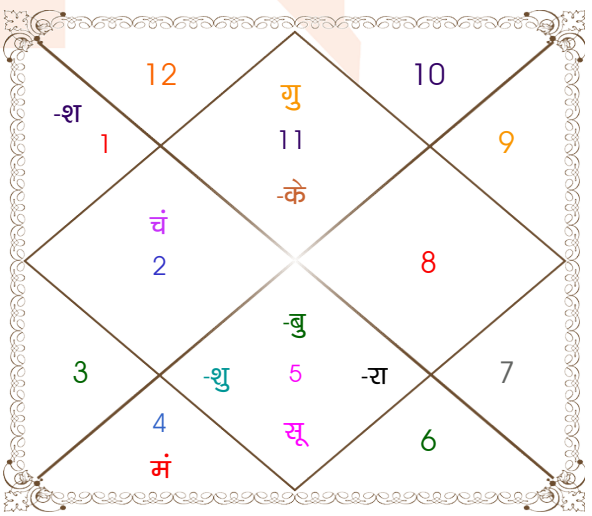

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूV दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

च्तौंदज ठींतकूंर का वर्ग मूषक है तथा V का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूV मिलान के अनुसार च्तौंदज ठींतकूंर और V का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

च्तौंदज ठींतकूंर मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल च्तौंदज ठींतकूंर कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

V मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि V कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कV जाता है।

चर्तोंदज ठींतकूंर तथा V में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूV एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।